

सतर्कता. होली के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

जवानों का शहर में फ्लैग मार्च

- डेढ़ दर्जन चिह्नित लोगों को किया जिलाबदर
- सुरक्षा को लेकर 32 जोन में बंटी पुलिस की टीम

प्रतिनिधि ▶ हजारीबाग

जिले में होली का त्योहार शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है. शहर के चौक-चौराहों से लेकर गांव के चौपाल तक पुलिस की गश्ती रहेगी, ताकि शरारती तत्वों से निबटा जा सके. सदर एसडीपीओ कमल किशोर ने बताया कि शहर में हर गतिविधि पर पुलिस की नजर रहेगी. इसके लिए सीसीटीवी को दुरुस्त किया गया है.

पूरे जिले को 32 जोन में बांट सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है. विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए अतिरिक्त तीन हजार पारा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की गयी है. एक हजार से अधिक चिह्नित लोगों को 107 का नोटिस भेजा गया है. जिले के डेढ़ दर्जन



जवानों ने शहर के कई इलाकों में किया फ्लैग मार्च.

लोगों को जिला बदर किया जा रहा है. इधर, शहर में शांति बनाये रखने के लिए जवानों ने फ्लैग मार्च किया.

कई जोन में गश्ती दल का गठन: प्रशासनिक तैयारी के मद्देनजर प्रत्येक थाना और ओपी को जोन बनाकर गश्ती

दल का गठन किया गया है. गश्ती दल में दंडाधिकारी व सशस्त्र बल की तैनाती रहेगी. दर्जनों संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर स्टैटिक दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है. जिले के 257 पंचायतों में दंडाधिकारी

प्रतिनियुक्ति की गयी है. तीन पारियों में पदाधिकारियों की सुरक्षित प्रतिनियुक्ति की गयी है. अपवाह व हुड़दंग करनेवालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी. प्रशासन की ओर से 10 मार्च को जिले भर में शराब की दुकान बंद रखने का आदेश दिया गया है.



जनसहयोग से नक्सलवाद का हो रहा खात्मा : देवाशीष

संवाद सूत्र, बरवाडीह : ग्रामीणों के विश्वास और साथ के दम पर ही आज इन नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सलवाद को खत्म कर पाने में सीआरपीएफ को लगातार कामयाबी मिली है। उक्त बातें सीआरपीएफ के 112 वी बटालियन के कमांडेंट देवाशीष विश्वास ने छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत नक्सल प्रभावित लात पंचायत के टोगारी में आयोजित जन सहयोग कार्यक्रम अंधेरे से उजाले की ओर के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही । इस दौरान कमांडेंट देवाशीष विश्वास और द्वितीय कमांडेंट संजय गौतम ने लात पंचायत के टोगारी हरहे गासेदाग लादी रमन्दाग समेत आधे दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों के बीच 20 लीटर का पानी थरमस (टैंकी) वितरण किया गया ।

विनोद पर पांच लाख व गणेश पर दो लाख का था इनाम

एसपी व सीआरपीएफ कमांडेंट के समक्ष दोनों ने किया समर्पण

संस, सिमडेगा: सरकार की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर व उग्रवादी संगठन से उब चुके भाकपा माओवादी के दो बड़े उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया। समर्पण करने वालों में पांच लाख का इनामी जोनल कमांडर विनोद पंडित उर्फ विनोद दास तथा एरिया कमांडर गणेश लोहरा शामिल हैं। लोहरा पर दो लाख का इनाम है। विनोद पंडित सिमडेगा जिले के बोलबा के नगरटोली का रहने वाला है, जबकि गणेश लोहरा गुमला जिले के पालकोट प्रखंड के बोराडीह का रहने वाला है। एसपी संजीव कुमार एवं सीआरपीएफ के कमांडेंट ब्रजेश कुमार सिंह व अन्य पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में आत्मसमर्पण करने वाले उक्त दोनों उग्रवादियों को माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही आत्मसमर्पण नीति के तहत जोनल कमांडर विनोद दास को पांच लाख तथा गणेश लोहरा को दो लाख रूपये का चेक दिया गया। एसपी संजीव कुमार ने कहा कि दोनों उग्रवादियों ने पुलिस प्रशासन के समक्ष ये कहते हुए आत्मसमर्पण की इच्छा जताई थी कि किस तरह वे संगठन के कार्यों से उब चुके हैं। संगठन में पैसे को लेकर एक-दूसरे



आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के साथ एसपी संजीव कुमार (दायें से दूसरे) व कमांडेंट ब्रजेश कुमार सिंह (दायें) जागरण

समर्पण

- जोनल कमांडर विनोद सिमडेगा के बोलबा का रहने वाला है
- दोनों ने स्वीकार किया, संगठन में होता था भेदभाव, हालत नहीं थे ठीक

की पीछे लोग लगे रहते हैं। वहां जात-पात के नाम पर भी भेदभाव होता है। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने उन्हें सरकार की नीतियों का हवाला देते हुए आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा कि जिले में शांति पूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाने में जनता का भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। सीआरपीएफ

विनोद पर 17 व गणेश पर 4 मामले हैं दर्ज

सिमडेगा: जोनल कमांडर विनोद पंडित उर्फ विनोद दास पर सिमडेगा जिले के विभिन्न थाना में 17 तथा एरिया कमांडर गणेश लोहरा पर चार मामले दर्ज हैं।

के कमांडेंट ब्रजेश कुमार सिंह ने भी कहा कि सरकार की आत्मसमर्पण नीति ऐसे लोगों को मुख्यधारा से जुड़ने का बेहतर माध्यम है। मौके पर अभियान एसपी निर्मल गोप, आईटीए निदेशक, एसडीपीओ, डीएसपी, पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।



रायबेड़ा में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देते सीआरपीएफ जवान ।

सीआरपीएफ ने सारंडा में ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

संवाद सूत्र, मनोहरपुर : सीआरपीएफ 174 बटालियन के कमांडेंट डॉ. प्रेमचंद्र के निर्देशानुसार कलियापोस सीआरपीएफ कैम्प के निरीक्षक बलविंदर सिंह की अगुवाई में जिले के घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र सारंडा के जराइकेला थाना क्षेत्र के रायबेड़ा में ग्रामीणों के साथ बैठक कर उन्हें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को विस्तार रूप से जानकारी दी। इस मौके पर उपस्थित मकरंडा पंचायत की मुखिया शांति गोडसोरा ने कहा कि सुदूर नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं का केवल 40 प्रतिशत ग्रामीण ही लाभ उठा पाते हैं। आगे और भी लोगों को प्रधानमंत्री कल्याणकारी योजनाओं से सम्बंधित कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए। सीआरपीएफ कलियापोस कैम्प के निरीक्षक बलविंदर सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ 174 बटालियन का उद्देश्य है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को प्रधानमंत्री कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। साथ ही उन्होंने कोरोना वायरस से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे बचा जा सकता है। अगर किसी ग्रामीण में कोरोना वायरस से सम्बंधित लक्षण पाया जाता है, तो वे तुरंत सदर अस्पताल चाईबासा जाकर अपना इलाज कराएं। बैठक में काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दैनिक जागरण — 06.03.2020

सीआरपीएफ कप कबड्डी टूर्नामेंट शुरू



कबड्डी टूर्नामेंट के खिलाड़ियों से हाथ मिलाते कमांडेंट परम शिवम।

जासं, चाईबासा : सारंडा के इलाके के अत्यंत अभावग्रस्त बालिकाओं को अवसर देने का कार्य केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 197 बटालियन कर रही है। गुरुवार से दो दिवसीय जिला स्तरीय सीआरपीएफ कप कबड्डी चैम्पियनशिप (बालिका वर्ग) का शुभारंभ करके किया गया। चैम्पियनशिप का उद्घाटन 197 बटालियन के कमांडेंट परम शिवम ने किया। चैम्पियनशिप में जिले की 10 टीमों शिरकत कर रही हैं। भारतीय कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकीं जया बारी बतौर रेफरी अपनी सेवायें उक्त प्रतियोगिता में दे रही हैं।

दैनिक जागरण — 06.03.2020

15 युवकों को मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण



मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के साथ सीआरपीएफ के पदाधिकारी • जागरण

जासं, चक्रधरपुर : सीआरपीएफ 60 बटालियन चक्रधरपुर की ओर से सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत चक्रधरपुर-पोड़ाहाट अनुमंडल के नौजवानों को 15 दिन का मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण 15 फरवरी से 29 फरवरी तक बिरसा मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल, चक्रधरपुर द्वारा करवाया गया। साथ ही इन नौजवानों का ड्राइविंग लाइसेंस हेतु रजिस्ट्रेशन भी 60 बटालियन द्वारा करवाया गया। ताकि वे अपने कार्य में दक्ष

तथा अपने जीवन में स्वावलंबी बन सकें। इस क्रम में गुरुवार को सीआरपीएफ 60 बटालियन के कमांडेंट आनंद कुमार जेराई ने उपस्थित अधिकारियों व कार्मिकों को सुरक्षित ड्राइविंग करने की सलाह दी। इस सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत कमांडेंट - 60 बटालियन द्वारा कुल 15 नौजवानों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस सुपूर्द किया गया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

दैनिक जागरण — 06.03.2020

सीआपीएफ की वर्षगांठ पर होगा रक्तदान शिविर



जानकारी देते कमांडेंट व साथ में सीआरपीएफ बटालियन के पदाधिकारी

जासं, सरायकेला : सीआरपीएफ 196वीं बटालियन के कमांडेंट बिरसा उरांव ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 81वां वर्षगांठ पर बटालियन मुख्यालय दुगनी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। सभी बटालियन में रक्तदान शिविर आयोजित होगा। वर्षगांठ पर इसके अलावा भी कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके तहत 15 मार्च को मैराथन दौड़ व 17 मार्च को केन्द्रीय विद्यालय साहेबगंज में पेंटिंग प्रतियोगिता समेत अन्य

कार्यक्रम होंगे। रक्तदान शिविर रेडक्रॉस सोसायटी व एमजीएम अस्पताल के सौजन्य से आयोजित होगा। कमांडेंट ने बताया रक्तदान को लेकर बटालियन में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है और पदाधिकारी से लेकर जवान सभी बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे। मौके पर बटालियन के उप कमांडेंट गोपाल बिराजी, अमित झा, द्वितीय कमान अधिकारी पंकज सिंह, सूबेदार मेजर सुरजीत सिंह, उप निरीक्षक मो. जलालुद्दीन समेत अन्य उपस्थित थे।

दैनिक जागरण — 06.03.2020

सीआरपीएफ का रक्तदान शिविर आयोजित



चक्रधरपुर सीआरपीएफ कैंप में रक्तदान करते पदाधिकारी • जागरण

जागरण संवाददाता, चक्रधरपुर : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 81 वीं वर्षगांठ पर चक्रधरपुर के आसनतलिया स्थित सीआरपीएफ 60 बटालियन मुख्यालय परिसर में थैलेसिमिया, सिकेल सेल एवं एनिमिया से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए सदर अस्पताल रांची स्थित डे केयर सेंटर के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। चक्रधरपुर की सामाजिक संस्थाओं एवं बुद्धिजीवियों ने मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कमाण्डेंट 60 बटालियन आनन्द कुमार जेराई ने अधिकारियों, कार्मिकों को रक्तदान का महत्व बताते हुए इसका शुभारंभ किया। शिविर में कुल 53 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस रक्तदान शिविर में द्वितीय कमान अधिकारी साधु शरण यादव, राजू डी नायक, उप कमाण्डेंट जियाउल हक, चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्या मंडल के अलावा भगेरिया फाउन्डेशन, खिदमत फाउन्डेशन एवं चक्रधरपुर की जनता ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

दैनिक जागरण — 06.03.2020

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर जवानों ने किया रक्तदान



गुरुवार को चास स्थित सीआरपीएफ कैंप परिसर में आयोजित शिविर में रक्तदान करते सीआइएसएफ जवान व उपस्थित डीआईजी, एसपी, कमांडेंट व चिकित्सक • जागरण

जासं, बोकारो: सीआरपीएफ की 81वीं स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर चास के आईटीआई मोड़ स्थित 26वीं वाहिनी के मुख्यालय में रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 26वीं वाहिनी के अधिकारियों व जवानों ने रक्तदान किया। इससे पूर्व शिविर का उद्घाटन सीआरपीएफ के पुलिस उपमहानिरीक्षक बोकारो रेंज डीके

चौधरी ने किया। मौके पर चौधरी ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। सीआरपीएफ जवानों द्वारा रक्तदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना सराहनीय है।

मौके पर कमांडेंट अखिलेश कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक पी मुरुगन, डॉ. आशीष शांडिल्य, डॉ. एमके सिन्हा, डॉ. मिथिलेश ठाकुर सहित अन्य अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

दैनिक जागरण—09.03.2020

सीआरपीएफ ने मनाया महिला दिवस समारोह

जागरण संवाददाता, बोकारो: चास स्थित सीआरपीएफ 26वीं वाहिनी मुख्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। मौके पर महिलाओं को सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता किया गया तथा जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अनुप्रिया एवं डॉ. वरुणा ने बताया कि कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से कैसे बचा जा सकता है तथा इससे बचाव के लिए हमें समय-समय पर कौन-कौन से एहतियात बरतने चाहिए एवं कितने दिनों में इसकी जांच कराते रहनी चाहिए। इसके बाद उपस्थित महिलाओं का कैंसर का निःशुल्क जांच किया गया। मौके पर कमांडेंट अखिलेश कुमार सिंह, एफओजीएसआइ संगठन के प्रेसिडेंट डॉ. कौशिक, डॉ. संचिता, डॉ. आशीष शाण्डिल्य, द्वितीय कमान अधिकारी सुनील आदि उपस्थित थे।

सीआरपीएफ कर रही ग्रामीणों को जागरूक

संवाद सूत्र, मनोहरपुर : सीआरपीएफ 174 बटालियन के कमांडेंट डॉ प्रेमचन्द्र के निर्देशानुसार सीआरपीएफ एफ/174 के द्वारा जराईकेला के मकरंडा पंचायत में सीआरपीएफ के निरीक्षक आलोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजना समेत विभिन्न योजनाओं के बारे जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रही मनरेगा, कौशल विकास, कृषि बीमा, स्वास्थ्य बीमा, प्रधानमंत्री जनधन, विभिन्न पेंशन योजना समेत मातृत्व बंदना इत्यादि योजनाओं से ग्रामीण लाभुको को जुड़ने एवं इसका लाभ लेने के बारे में जागरूक किया। साथ ही नशापान से बचने, बाल विवाह तथा दहेज प्रथा जैसी कुर्रतियों से दूर रहने का सलाह दी। मौके पर मकरंडा पंचायत की मुखिया शांति गोडसरे, पंचायत के वार्ड सदस्य एवं सीआरपीएफ के जवान व सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दैनिक जागरण — 14.03.2020

सीआरपीएफ कैंप में 51 यूनिट रक्त संग्रह



रक्तदान करते जवानों के साथ खड़े कमांडेंट बिरसा उरांव व अन्य ● जागरण
जागरण संवाददाता, सरायकेला : सीआरपीएफ के 81वें स्थापना दिवस पर
शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सरायकेला के दुगनी
स्थित 196 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के यूनिट मुख्यालय में शुक्रवार
को सीआरपीएफ की 81वीं वर्षगांठ के मौके पर कालूराम सेवा ट्रस्ट सरायकेला
के सौजन्य से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 51
अधिकारी व जवानों ने खून दिया।

सीआरपीएफ जवानों ने किया रक्तदान

संवाद सूत्र, मुसाबनी : सीआरपीएफ 193 बटालियन मुसाबनी बनालोपा स्थित मुख्यालय में गुरुवार को सीआरपीएफ के 81वें स्थापना दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 50 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जानकारी दी गयी कि 27 जुलाई 1939 में नीमच (मध्य प्रदेश) में स्थापित किए गए क्राउन रिप्रेजेंटिव पुलिस के तर्ज पर इसे 19 मार्च 1950 को राष्ट्रपति कलर/निशान दिया गया। जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा इस बल को एक भव्य परेड में दिया गया। रक्तदान शिविर में सीआरपीएफ 193 वाहिनी के जवानों ने सुदूर क्षेत्रों केशरपुर, कालचिति व भुइया सिन्नी जैसे क्षेत्रों से बनालोपा मुख्यालय में पहुंच कर रक्तदान किया गया। इस रक्तदान शिविर में एमजीएम ब्लड बैंक के चिकित्सक डॉ ई ए सोरेन और उनके सहयोगी दलों ने रक्त संग्रह



मुसाबनी में रक्तदान करते सीआरपीएफ के पदाधिकारी व जवान • जागरण

किया। एमजीएम के डॉक्टर ने जवानों की भूरी भूरी प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि एमजीएम अस्पताल में ज्यादातर गरीब मरीजों को रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में सीआरपीएफ जवानों द्वारा रक्तदान करना बहुत ही नेक काम है।

इस मौके पर सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी संजीव

द्विवेदी ने भी रक्तदान कर जवानों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाते हुए उप कमांडेंट बलराम मंडल ने कहा रक्तदान से बड़ा कोई कार्य नहीं है। पुलिस बल नागरिकों के सभी प्रकार के सुरक्षा का ख्याल रखती है और जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद करना परम उद्देश्य भी है।

सीआरपीएफ ने जराईकेला में महिला दिवस पर किए कई कार्यक्रम

संवाद सूत्र, मनोहरपुर : सीआरपीएफ 174 बटालियन के कमांडेंट डॉ प्रेमचन्द्र के निर्देशानुसार जराईकेला बेसिक स्कूल प्रांगण में सीआरपीएफ के निरीक्षक आलोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में महिला दिवस पर ग्रामीण महिलाओं के बीच कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर बालिकाओं को शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बाल विवाह तथा दहेज प्रथा जैसी कुर्रतियों से दूर रहने का सलाह दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच 100 मीटर जी दौड़, चम्मच-नींबू दौड़, म्यूजिकल चेयर जैसे



कार्यक्रम में बत्ती को सम्मानित करती युवती • जागरण

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मौके

पर मकरांडा पंचायत के मुखिया शांति गोडसोरा, काफी संख्या में सीआरपीएफ के जवान व सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दैनिक जागरण — 08.03.2020

सीआरपीएफ के शिविर में 55 यूनिट रक्त संग्रह



आदित्यपुर स्थित सीआरपीएफ के शिविर में रक्तदान करने जवान • जागरण

संसू, आदित्यपुर : आदित्यपुर स्थित सीआरपीएफ की 157वीं बटालियन के मुख्यालय में शनिवार को सीआरपीएफ की 81वीं स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में कुल 55 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि सीआरपीएफ 157 बटालियन के कमांडेंट आरके पांडा शामिल हुए। उन्होंने कहा कि रक्तदान का मतलब किसी की जिंदगी को बचाना है। रक्तदान शिविर का आयोजन एमजीएम के चिकित्सक डॉ. एनपी चौधरी, डॉ. ए सोरेन की सहयोग से हुआ। इसमें द्वितीय कमान अधिकारी बिक्रम सिंह, उप कमांडेंट राकेश रंजन, जूही शर्मा, जसवीर सिंह आदि थे।

नरवा में 160 यूनिट रक्त एकत्र किया गया

संसू, पोटका : नरवा यूरेनियम प्रोजेक्ट प्रबंधन की ओर से शनिवार को शनिवार को 25वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें 160 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन डॉ. कल्पना खर्रे ने किया। शिविर को सफल बनाने में सहायक प्रशासनिक अधिकारी डीएन सिंह, पीसी दास, डॉ. अमर नाथ, अंजन भट्टाचार्या, मेघनाथ रक्षित, एसके सिंह, धनंजय सिंह, धनीराम किस्कू, मदन दास, विवेक दास व संजित आदि सक्रिय रहे।

सामाजिक दायित्व भी निभा रही है सीआरपीएफ

संवाद सहयोगी, गढ़वा: पुलिस लाइन स्थित सीआरपीएफ कैंप में सीआरपीएफ 172 बटालियन के 81वां स्थापना दिवस पर बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में सीआरपीएफ के अधिकारी व जवानों ने 60 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन डीसी हर्ष मंगला, एसपी अश्विनी कुमार सिन्हा, सीआरपीएफ के द्वितीय कमांडेंट सरोज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस मौके पर डीसी ने कहा कि सीआरपीएफ लोगों को सुरक्षा देने के साथ-साथ सामाजिक कार्य भी कर रही है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के 81वां स्थापना दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाना प्रेरणादायक है। हम अपना रक्त देकर किसी जरूरतमंदों की जान बचा सकते हैं। इससे बड़ा नेक कार्य क्या हो सकता है। सीआरपीएफ द्वारा उग्रवाद प्रभावित गांवों में कई अन्य



रक्तदान करने वाले जवान को सम्मानित करते दाएं से दूसरे उपायुक्त हर्ष मंगला व उनके बगल में एसपी अश्विनी कुमार सिन्हा ● जागरण

कार्यक्रम भी लगातार चलाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने जवानों ने सुरक्षा के साथ-साथ समाजिक दायित्व का भरोसा भी जगाया है। इसकी जितनी भी सराहना की जाए कम होगी। सुरक्षा के क्षेत्र में जवान महती भूमिका निभा रहे हैं। वहीं एसपी ने कहा कि सीआरपीएफ बहुत बेहतर

कार्य कर रही है। स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाना सराहनीय कार्य है। इस मौके पर सीआरपीएफ के चिकित्सक देवाशीष सहाय, अभियान एसपी सदन कुमार, उप कमांडेंट संतोष सहगल, तुलिका सिन्हा, डा. जेपी सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

दैनिक जागरण — 12.03.2020

सीआरपीएफ ने जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच बांटे सिंटेक्स

संवाद सूत्र, प्रतापपुर : प्रखंड के घोरीघाट पंचायत स्थित जोलहतेतरिया गांव में सीआरपीएफ के डी/190 बटालिन ने शिविर आयोजित कर जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच सामग्रियों का वितरण किया। सामग्री वितरण का यह शिविर सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत आयोजित था। कार्यक्रम में आसपास के विभिन्न गांवों के सैकड़ों महिला एवं पुरुष मौजूद थे। शिविर का आयोजन सीआरपीएफ 190वीं बटालियन के कमांडेंट पवन कुमार वंसल के निर्देश पर किया गया। मौके पर कंपनी के कमांडर पीके साह ने कहा कि पुलिस आम जनता की हितैषी है। लोग पुलिस को दमनकारी के रूप में नहीं, बल्कि सहयोगी समझे। पुलिस गांव के प्रतिभाशाली युवक एवं युवतियों के प्रतिभा को निखारने के लिए सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत कई कार्यक्रम



प्रतापपुर के तेतरिया में ग्रामीणों को घरेलू सामग्री देते सीआरपीएफ के कंपनी कमांडर पीके साह व मुखिया हिफजुर्रहमान ● जागरण

आयोजित करती रही है। ताकि गांवों में छुपी प्रतिभाओं को निखारा जा सके तथा पुलिस एवं आम जनता के बीच के दूरी को खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि आम जनता

को बिना किसी झिझक के अपनी समस्याओं से पुलिस को अवगत कराना चाहिए। पुलिस हमेशा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है।

सीआरपीएफ ने किया रक्तदान

बलियापुर। प्रधानखंता मुख्यालय में शुक्रवार को स्थापना वर्षगांठ के मौके पर सीआरपीएफ 154 बटालियन की ओर से रक्तदान शिविर हुआ। कमांडेंट आलोकवीर यादव सहित बटालियन के साथ अधिकारियों व जवानों ने रक्तदान किया। कमांडेंट ने कहा कि सीआरपीएफ सुरक्षा के साथ सामाजिक कार्यों में भी हमेशा आगे रहा है।

हिन्दुस्तान — 07.03.2020

दो इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर

सिमडेगा | प्रतिनिधि

सिमडेगा में शुक्रवार को दो इनामी नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हथियार डालनेवाले नक्सलियों में पांच लाख का इनामी भाकपा माओवादी जोनल कमांडर विनोद पंडित उर्फ विनोद दास और दो लाख का इनामी गणेश लोहरा उर्फ भगवान शामिल हैं। पुलिस के बढ़ते दबाव और सरकार की आत्मसमर्पण की नीति से प्रभावित होकर दोनों ने सरेंडर किया।

पुलिस के अनुसार दोनों उग्रवादियों के खिलाफ हत्या, रंगदारी, पुलिस से मुठभेड़ में शामिल होने जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं। सरेंडर करने पर सिमडेगा के एसपी संजीव कुमार ने सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत माओवादी जोनल कमांडर विनोद दास को पांच लाख रुपए और एरिया कमांडर गणेश लोहरा को दो लाख रुपए का चेक प्रदान किया। एसपी ने कहा कि सरेंडर करने वाले दोनों उग्रवादियों को मंडलकारा भेजा जा रहा है। बाद में प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उन्हें हजारीबाग स्थित ओपन जेल स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बता दें कि सिमडेगा चला शांति की ओर मिशन के तहत नक्सलियों पर



सिमडेगा में शुक्रवार को पुलिस समक्ष आत्मसमर्पण करनेवाले नक्सली।

पीएलएफआई ने व्यवसायी के घर की फायरिंग

पालकोट (गुमला)। पालकोट थाना क्षेत्र के नाथपुर गांव में किराना व्यवसायी अनीश साहू के घर पीएलएफआई के एरिया कमांडर परमेश्वर गोप उर्फ प्रेम गोप द्वारा गोलीबारी किये जाने की सूचना है। यह घटना गुरुवार रात की है। शुक्रवार सुबह उक्त व्यवसायी ने पालकोट थाना में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करायी है। जिसमें उसने बताया है की परमेश्वर गोप रात के करीब 11 बजे अपने साथियों के साथ दो बाइक पर सवार होकर उसके दुकान सह घर के बाहर पहुंचा और दरवाजा खोलने को कहा। जब उन्होंने दरवाजा नहीं खोला तो चार फायर उसके दरवाजा में कर चले गए। घटना की जानकारी मिलने पर एसआई आशुतोष कुमार सिंह नाथपुर गांव पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। मौके से चार खोखा बरामद किया है। पालकोट पुलिस ने बताया मामले की जांच चल रही है।

अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा बल नक्सलियों के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चला रहे हैं। मौके

पर एसपी अभियान निर्मल गोप, आईटीडीए डायरेक्टर सलन भुईयां, सहदेव साव उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान – 09.03.2020

सीआरपीएफ कर्मियों की पत्नियों का बढ़ाया हौसला



आदित्यपुर। आदित्यपुर स्थित सीआरपीएफ की 157वीं बटालियन मुख्यालय में रविवार को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्र में ख्याति प्राप्त महिलाएं भी शामिल हुईं। कार्यक्रम में बटालियन के द्वितीय कमांडेंट अधिकारी विक्रम सिंह ने खासकर सीआरपीएफ में जिनके पति हैं वैसी महिलाओं की जीवन शैली के बारे में बताते हुए उन महिलाओं का मनोबल बढ़ाया। 157 बटालियन की चिकित्सा अधिकारी डा. जूही शर्मा समेत सीआरपीएफ परिवार की महिलाएं जिसमें एस. गिरी, सोनम कौर, अरूण साव, सत्यावती देवी आदि उपस्थित थीं।

हिन्दुस्तान — 15.03.2020

सीआरपीएफ की वर्षगांठ पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित



सीआरपीएफ की वर्षगांठ पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

सरायकेला | संवाददाता

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल 196 बटालियन की 81वीं वर्षगांठ पर शनिवार को केन्द्रीय विद्यालय सरायकेला में पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। बच्चों के बीच राष्ट्रीय सामंजस्य, जल संरक्षण और स्वास्थ्य ही धन है जैसे मुद्दों पर विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाई। इसमें केन्द्रीय स्कूल के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता के बाद बटालियन के कमांडेंट बिरसा उरांव ने समाजिक जीवन में चित्रकला के

महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अपील की। कहा प्रतियोगिता से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। सोचने की क्षमता का विकास होता है। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी पंकज सिंह, उप कमांडेंट अमित कुमार झा, सूबेदार मेजर सुरजीत सिंह व केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य विमल कुमार समेत तमाम शिक्षकगण उपस्थित थे।

सीआरपीएफ जवानों ने बम नष्ट कर इलाके में सर्च अभियान चलाया

कराईकेला से 14 किलो का सिलेंडर बम बरामद

बंदगांव | संवाददाता

नक्सलियों द्वारा लगाया गया 14 किलो (रसोई गैस) का सिलेंडर बम बरामद किया है। शनिवार को कराईकेला थाना क्षेत्र के जरजट्टा-कुरुजुली सड़क पर जवान मैटल डिटेक्टर से जांच करते हुए एलआरपी कर रहे थे कि उसी समय जरजट्टा गांव के मोड़ के पास विस्फोटक होने की पुष्टी हुई।

इसके बाद जवानों ने जब विस्फोटक निकालने के लिए गड्ढा खोदा तो उनके होश उड़ गये। नक्सलियों द्वारा विस्फोट के लिए 14 किलो का भरा हुआ घरेलू गैस सिलिंडर बम लगाया गया था। सिलेंडर बम को फोर्स ने नष्ट कर दिया। साथ ही आस-पास के इलाकों में भी सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान में सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी डी राजू,



नक्सलियों द्वारा लगाए गए सिलेंडर बम को निकालने का प्रयास करते सीआरपीएफ के बम निरोधक दस्ता के सदस्य।

बीरेन्द्र पाठक सहित सीआरपीएफ 60 बटालियन के जवान और जिला पुलिस के जवान शामिल थे।

सारंडा में पहली बार मिला है सिलेंडर बम : सारंडा, पोड़ाहाट और कोल्हान के जंगल में पिछले दो दशक से नक्सली सक्रिय हैं और कई बार नक्सलियों द्वारा हिंसात्मक वारदात को

अंजाम दिया गया है। नक्सलियों द्वारा जवानों को निशाना बनाने के लिए जगह-जगह सड़कों पर लैंड माइंस व टिफिन बम आदि लगाया जाता था। लेकिन पहली बार नक्सलियों द्वारा लैंड माइंस के नीचे 14 किलो का सिलिंडर लगाया गया था, ताकि जवानों को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके।

सिमडेगा में दो बड़े नक्सलियों के आत्मसमर्पण से जिले में जगी शांति की उम्मीद

नक्सलवाद से हो रहा मोह भंग : एसपी

सिमडेगा | जिला प्रतिनिधि

एसपी संजीव कुमार ने कहा कि जिले के भोले भाले लोगों को बहला फुसलाकर बाहर के नक्सली नेता संगठन में भर्ती करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन और सरकार द्वारा लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान और शिक्षा के विकास के बाद अब लोग समझ चुके हैं कि नक्सली जनविरोधी और विकास विरोधी होते हैं।

नक्सली स्कूल, अस्पताल, सड़क आदि बनने नहीं देते हैं। एसपी ने कहा कि अब ग्रामीणों का नक्सलवाद से मोह भंग हो रहा है। जो नक्सली हैं वह भी आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर मुख्य धारा से जुड़ने लगे हैं। एसपी ने सरेंडर करने वाले नक्सलियों का स्वागत करते हुए अन्य भटके हुए नक्सलियों से भी मुख्यधारा में लौट कर अपने परिवार और बच्चों के साथ आनंदमय जिंदगी जीने की अपील की।

पत्नी और बेटी के कारण किया आत्मसमर्पण : विनोद पंडित ने बताया कि 12 सालों तक नक्सलियों के साथ हथियार ढोकर जंगलों की खाक छानने के बाद पत्नी और बेटी के कहने पर सरेंडर किया है। उसने बताया कि संगठन में कोई सुविधा नहीं दी जाती थी। संगठन के बड़े नेता के बच्चे तो बड़े शहरों में अच्छे स्कूल में पढ़ते हैं लेकिन उनके बच्चे अभावग्रस्त जिंदगी जीते हुए समाज का ताना सुनते हुए जैसे जैसे जीवन यापन कर रहे हैं। उसने बताया कि पेशानी भरी जिंदगी और बार बार पुलिसिया दबाव के बाद पत्नी सरीता देवी ने उसे मुख्यधारा से जुड़ने की बात



नक्सली कमांडर को सरेंडर नीति के तहत चेक देते एसपी व अन्य अधिकारी। • हिन्दुस्तान

12 साल से नक्सली संगठन से जुड़ा था विनोद

पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले भाकपा माओवादी संगठन के जोनल कमांडर विनोद पंडित की पहचान कुख्यात नक्सली के रूप में थी। जिला सहित आसपास के सीमावर्ती जिलों और राज्यों में भी विनोद पंडित की तूती बोलती थी। आत्मसमर्पण के बाद एसपी संजीव कुमार ने बताया कि विनोद पंडित

लगभग 12 वर्षों तक भाकपा माओवादी संगठन से जुड़ा था और संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए कई घटनाओं को अंजाम दिया था। इसके अलावे एरिया कमांडर गणेश लोहरा उर्फ भगवान भी पिछले आठ सालों से संगठन से जुड़ा हुआ था। एसपी ने नक्सलियों के सरेंडर को बड़ी उपलब्धि बताया।

विनोद पंडित पर हैं 17 मामले दर्ज

एसपी संजीव कुमार ने बताया कि सरेंडर करने वाले नक्सली कमांडर विनोद पंडित पर जिले के विभिन्न थानों में 17 मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि अन्य जिलों में भी दर्ज मामले की जानकारी ली जा रही है। एसपी ने बताया कि पांच लाख के इनामी उग्रवादी पर हत्या, रंगदारी, पुलिस बल पर हमला, जैसे कई मामले दर्ज हैं। कोलेबिरा थाना में छह, सिमडेगा थाना में तीन, बानो थाना में एक, जलडेगा थाना में चार और टेठईटांगर एवं बोलबा थाना में एक एक मामला दर्ज है। वहीं एरिया कमांडर गणेश लोहरा उर्फ भगवान पर भी सिमडेगा थाना में चार मामले दर्ज हैं।

कही। उसे सरकार की आत्मसमर्पण नीति की भी जानकारी मिली और इसके

बाद उसने संगठन से नाता तोड़ने का मन बनाते हुए आत्मसमर्पण करने की इच्छा

जताई। जिसके बाद जिले के पुलिस अधिकारियों ने उसे सरेंडर कराया।

आईज मन खुश होय गेलक अब हमरे के भी समाज में इज्जत मिली: सरेंडर करने के बाद नक्सली कमांडर विनोद पंडित अपने परिजनों से मिलकर काफी खुश नजर आ रहा था। नक्सली कमांडर विनोद पंडित की पत्नी सरीता देवी, बेटी साक्षी कुमारी, बड़ी बेटी गायत्री देवी, दामाद अर्जुन दास भी काफी खुश नजर आ रहे थे। पिता के सरेंडर करने के बाद बड़ी बेटी गायत्री देवी और दामाद अर्जुन दास ने कहा कि आईज मन खुश होय गेलक अब हमरे के भी समाज में इज्जत मिली। वहीं पत्नी सरीता देवी ने भी नागपुरी अंदाज में कहा कि जंगल जंगल घूम घूम कर अपन घर दूरा के भी भुलाय जाए। कई बरिस बाद आज पुरा परिवार एक साथ आ है, मन खुश होय गेलक।

नक्सली संगठन में छोटे नक्सली सदस्यों का होता है शोषण: सरेंडर करने के बाद विनोद पंडित ने संगठन की

पहाड़ी चीता से तंग आकर बना नक्सली

सरेंडर करने के बाद माओवादी कमांडर विनोद पंडित ने बताया कि वह बोलबा प्रखंड का रहने वाला है। बोलबा प्रखंड मुख्यालय में वह होटल का व्यवसाय कर अपने परिवार को पाल रहा था। उस समय क्षेत्र में पहाड़ी चीता नामक गिरोह का बोलबाला था। नक्सली कमांडर के अनुसार पहाड़ी चीता के अपराधियों से उसका जमीन को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद वह डर से क्षेत्र छोड़कर भाग गया और बाद में परेशान होकर माओवादियों का दामन थामा।

कार्यशैली पर कटाक्ष करते हुए कहा कि संगठन के नेता ग्रामीणों से जनसेवा और न्याय की बात करते हैं जबकि संगठन में ही छोटे सदस्यों को न्याय नहीं मिलता है। संगठन ने उसे कभी पैसा नहीं दिया। बेहद जरूरी होने पर ही पैसा दिया जाता है। परिवार वालों को भी संगठन की ओर से कोई तरजीह नहीं दी जाती है।

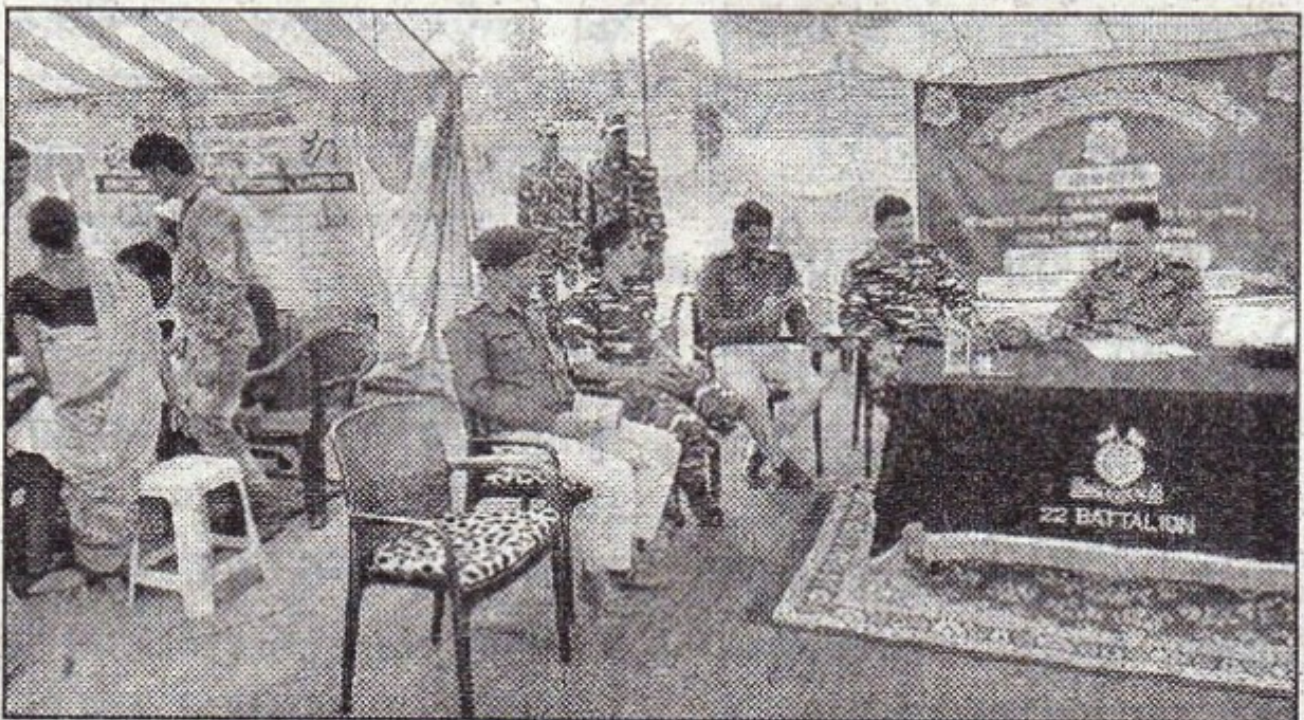
अबतक 14 नक्सलियों ने किया है आत्मसमर्पण: जिले में अबतक 14 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। नक्सली कमांडर विनोद पंडित और गणेश लोहरा के अलावे पीएलएफआई संगठन के रामु गंडू, महेश सिंह, राजु उर्फ लोला, कमल सिंह, ललित बड़ाईक, दीपक मुंड, करण, रामपूत आदि, माओवादी संगठन के संतोष भोक्ता, दीपक तिलकमैन, नक्सली भी पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

सीआरपीएफ ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता

चुरचू : प्रखंड के चनारो पंचायत अंतर्गत कानाबांद में सीआरपीएफ द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

निःशुल्क जांच व दवा दिया गया। इस अवसर पर श्री निवास हॉस्पिटल से डॉ आरती कुमारी, डॉ राम लखन, डॉ लक्ष्मी चौहान, राखी अनामिका, चुरचू प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एपी



गया। निःशुल्क जांच शिविर में सीआरपीएफ कमांडेंट आर के सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट अनू नॉवल, डीएसपी ओम प्रकाश सिंह, सीआरपीएफ के एस एम ओ डॉ सी सी कुमार थे। निःशुल्क जांच शिविर में विभिन्न बीमारियों के लगभग 486 मरीजों का

चैतन्य, चुरचू थाना प्रभारी तरुण बाखला, चनारो मुखिया रेशमी देवी, उपमुखिया जीतन सोरेन, जुगेश्वर महतो, महाबीर टुडु, बागुन सोरेन, नरेश यादव, मानकी महतो, सतीश महतो, चुनवा किस्कु, दयामुनी देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

रॉची एक्सप्रेस — 05.03.2020

रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं: कमांडेंट



लातेहार : सीआरपीएफ के 81 वें स्थापना दिवस पर कीनामांडू कैम्प स्थित सीआरपीएफ 11 वीं बटालियन में बुधवार को में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीआरपीएफ कमांडेंट विनय कुमार त्रिपाठी ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीआरपीएफ के कमांडेंट विनय कुमार त्रिपाठी ने कहा कि रक्तदान करना पुण्य का कार्य है। रक्तदान सभी को करनी चाहिए। रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ भी रहता है। सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी पी खरमुजई ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समाज सेवा के लिए रक्तदान

करना जरूरी है। प्रभारी एसीएमओ डॉ. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि खून देने से ब्लड प्रेशर, कैंसर समेत कई जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। इस तरह के शिविर में सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इस शिविर में सीआरपीएफ पदाधिकारी समेत जवानों के द्वारा 40 यूनिट रक्तदान की गई। मौके पर सीआरपीएफ द्वितीय कमान अधिकारी अश्विनी परमार, सीआरपीएफ जवान कनक राजू, रवि नारायण पतरा, मोहंता अब्दुल रशीद, पुरषोत्तम वह, मुन्ना सिंह, लैब टेक्नीशियन विनय कुमार सिंह, हरिशंकर मिश्रा, एसपी सिंह, एएनएम सुमन सांगा समेत कई लोग मौजूद थे।

सीआरपीएफ ने बांटी

पाठ्य सामग्री

अड़को : सीआरपीएफ 157 बटालियन ने सामुदायिक पुलिसिंग के तहत बुधवार को राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सिंदरी में छात्र-छात्राओं के बीच खेलकूद व पाठ्य सामग्री का वितरण किया। मौके पर सीआरपीएफ के कमांडेंट रमाकांत पांडा ने उपस्थित बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाने की कोशिश करते हुए कहा कि शिक्षित होना बहुत जरूरी है। आप शिक्षित होकर ही अपना, परिवार का और समाज का विकास कर सकते हैं। मौके पर विद्यालय की प्राचार्या सुचिता होरो, सहायक कमांडेंट रोहित रंजन एवं उपकमांडेंट राजेश रंजन सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे। (संसू)

माघे पर्व में शामिल होने कराईकेला थाना क्षेत्र के इंद्रवा आया था माओवादी, कई कांडों का है आरोपी

नक्सली एरिया कमांडर झुपू गिरफ्तार

चाईबासा | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मोस्ट वांटेड नक्सली (भाकपा माओवादी) एरिया कमांडर झुपू गागराई उर्फ नंदू गागराई को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। सूचना थी कि नक्सली नंदू गागराई माघे पर्व में शामिल होने के लिए कराईकेला के इंद्रवा आने वाला है। इसके बाद चाईबासा जिला पुलिस तथा सीआरपीएफ 60 बटालियन की संयुक्त टीम ने इंद्रवा में छापेमारी कर नंदू गागराई को गिरफ्तार किया।

पुलिस को काफी दिनों से थी तलाश
: एरिया कमांडर नंदू गागराई पर गोलीबारी, पोस्टरबाजी, वाहन जलाने के अलावा कई मामले दर्ज हैं। इसकी काफी समय से पुलिस को तलाश थी। सूत्रों की मानें तो नंदू स्थानीय होने के कारण दस्ते में इसकी काफी पैठ है। उसने कराईकेला, बंदगांव, टेबो तथा



चाईबासा में सोमवार को गिरफ्तार माओवादी के बारे में जानकारी देते पुलिस अधीक्षक इंद्रजीत महथा और अन्य अफसर।

सोनुवा थाना क्षेत्र में कई घटनाओं को अंजाम दिया है।

हथियार व जिंदा कारतूस बरामद :
उसके पास से दोनाली देसी बंदूक, दो

राउंड जिंदा कारतूस तथा लाल नक्सली बैनर भी बरामद हुए हैं। एसपी इंद्रजीत महथा ने प्रेसवार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना थी कि नक्सली एरिया

कमांडर 23 वर्षीय झुपू गागराई उर्फ नंदू गागराई माघे पर्व में शामिल होने के लिए दस्ते के साथ इंद्रवा आने वाला है। इस सूचना के बाद ऑपरेशन प्लान बनाया

शिकंजा

- देसी असलहा, जिंदा कारतूस के साथ पोस्टर बरामद
- गोलीबारी, पोस्टरबाजी के अलावा कई मामले हैं दर्ज

गया और अंजाम दिया गया।

टीम में ये थे शामिल : सीआरपीएफ 60 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी राजू नायक, साधु शरण यादव व आईएनएस राज कुमार नायक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नाथू सिंह मीणा, थाना प्रभारी कराईकेला पुअनि जितेंद्र कुमार आजाद, सअनि शौकत अली, दसमत टुडू, नयन गिरी शामिल थे। झुपू गागराई के खिलाफ चक्रधरपुर अनुमंडल के विभिन्न थानों में चुनाव बहिष्कार, पुलिस पर हमला के अलावा 18 मामले दर्ज हैं।

जनकल्याण में जुटी है सीआरपीएफ: राजकुमार

► सीआरपीएफ की 81वीं
वर्षगांठ मनी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीआरपीएफ की 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर झारखंड सेक्टर द्वारा किया गया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सीआरपीएफ डीजी राजकुमार ने कहा कि सीआरपीएफ जनकल्याण में जुटी है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ का गठन वर्ष 1939 में क्राउन रिप्रजेन्टिव पुलिस के रूप में किया गया था। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने वर्ष 1949 में इस बल को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का नाम दिया। इस बल की पहली वाहिनी का गठन नीमच में किया गया। सीआरपीएफ विश्व का सबसे बड़ा अर्द्धसैनिक बल है। अपने स्थापना से आज तक देश की

एकता, अखण्डता एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने में अपनी श्रेष्ठता और गरिमा के अनुरूप यह बल सर्वोच्च बलिदान देने में

सदैव अग्रणी रहा है। सीआरपीएफ का इतिहास सदैव शौर्य एवं बलिदान की महान गाथाओं का रहा है।

राजकुमार ने कहा कि 19 मार्च 2020 को सीआरपीएफ की 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर झारखण्ड सेक्टर द्वारा राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना था। जिसमें मिनी मैराथन, बैण्ड डिसप्ले, पेंटिंग प्रतियोगिता, जागरूकता रैली एवं रक्तदान जैसे कार्यक्रम शामिल थे। सीआरपीएफ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में से कुछ कार्यक्रम को सफलतापूर्वक किया गया एवं कुछ कार्यक्रमों को नोवल



कोरोना वायरस के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए रद्द कर दिया गया। इस वर्ष सीआरपीएफ के 81वें वर्षगांठ के अवसर पर झारखण्ड राज्य के विभिन्न स्थानों में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर सीआरपीएफ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन कर लगभग 2000 युनिट रक्तदान करने का लक्ष्य रखा गया था परन्तु नोवल कोरोना वायरस के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए आयोजित कार्यक्रम को बीच में रद्द करना पड़ा।

Need to prepare strategies, set agenda for next year: CRPF DG

RAKESH K SINGH ■
NEW DELHI

The CRPF, the lead counter-terrorism and anti-insurgency paramilitary, has embarked on a mission to prepare a doctrine of the Force and codify a Unique selling proposition so as to capitalise on the strengths and replicate the same for repetition of successes in different operational areas.

Director General of Central Reserve Police Force (CRPF) AP Maheshwari has articulated to senior officials of the Force that there is a need to prepare strategies and set agenda for the next year and where the paramilitary wants to see itself in the next two-three years.

While operating in multiple operational theatres, the CRPF has recorded a fair share

of success stories and Maheshwari has sought a systematic study of the achievements to bring out the USP of the paramilitary, identify inadequacies, if any and measures to overcome them.

"The findings should be documented, duly codified, so that we can capitalize on strengths of the organization and replicate then to pave the way for repetition of such success stories," reads an order issued by the CRPF recently.

The CRPF is not only the largest paramilitary with over 300 operational battalions but also the oldest Force in the country and is engaged in counter-terror operations in Jammu and Kashmir and anti-insurgency roles in the Northeast as also fighting the Naxals in the affected States. The anti-Naxal force Combat

Battalion for Resolute Action (CoBRA) has in the last few months recorded significant achievements against the ultra-Left extremists, officials said.

Maheshwari has served in the CRPF as Inspector General (Operations) in the past and the move is aimed at streamlining the professional approach to minimize casualties in the operations, officials said.

As part of the proposed overhaul, there is a need to revive the existing training procedure by incorporating the latest equipment and technology.

The aim of the formulating the doctrine of the Force is to enhance operational synergy,

revitalize organisational structure and combat preparedness.

The last vision document of the CRPF was prepared over two-decades back.

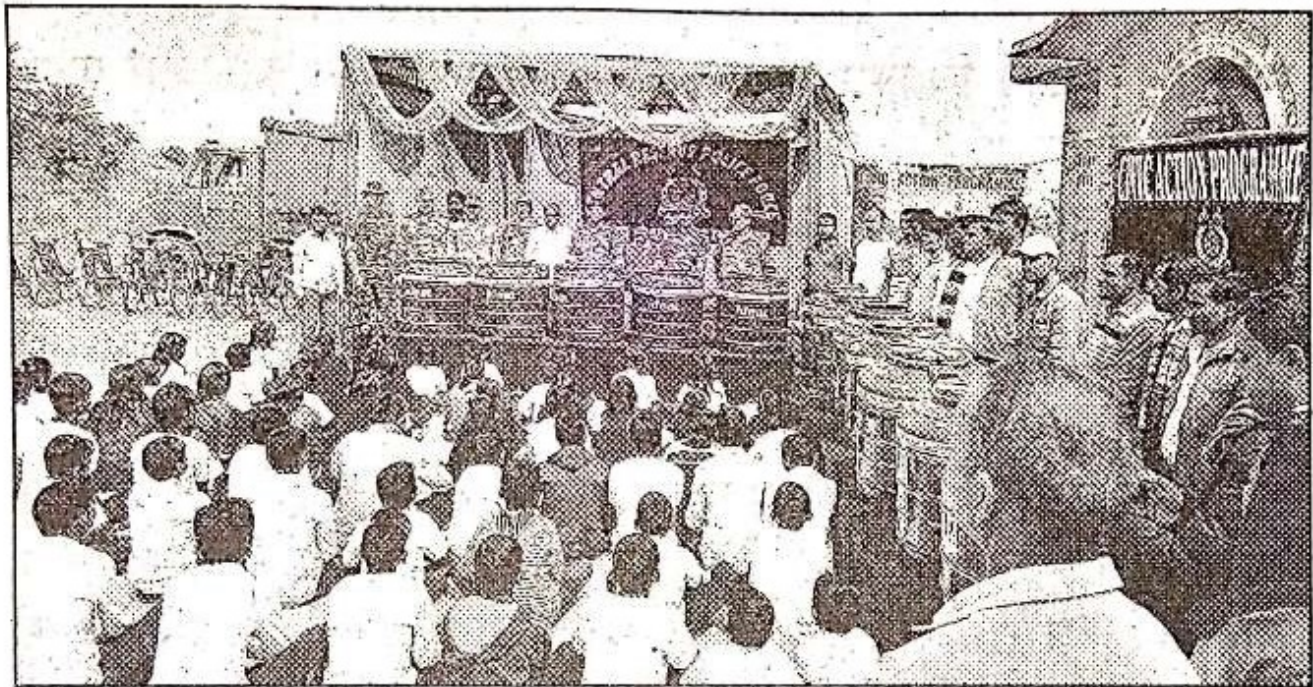
While Standard Operating Procedure of the Union Home Ministry has laid down that the

paramilitary forces will chalk out their own operational strategies but the same is often ignored by the CRPF officers on the ground and they follow the deployment strategy of the local police, a senior paramilitary official said.



File photo

सीआरपीएफ के जवानों ने कई विद्यालयों को दी सिंटेक्स टंकियां



टंडवा : सीआरपीएफ के 190 बटालियन ने सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत टंडवा के विभिन्न विद्यालयों में 21 सिंटेक्स टंकियां वितरित की। सिंटेक्स वितरण का नेतृत्व सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर ऋषिकेश पुष्टि कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कमांडेंट पवन कुमार बसन के निर्देशानुसार राहम, दुदुआ, नईपारम, उतराठी, मतलौगां, बड़कीटांड, मासीलौगां, कमता, कन्या मध्य विद्यालय टंडवा, उपकापानी व हरैया में सिंटेक्स मुहैया करायी गई।

उन्होंने बताया कि छात्र छात्राओं को शुद्ध पानी पीने को लेकर तथा बीमारी से बचने के लिए पानी की उपयोगिता को लेकर सिंटेक्स दिए गए। सिंटेक्स वितरण शिविर में राहम पंचायत के मुखिया अक्षयवट पांडे, कल्याणपुर के पूनम देवी, विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों में रंजन कुमार दास, यमुना यादव, लखन महतो, दिनेश ठाकुर, राजेश पासवान, गणेश भुईया, सरिता कुमारी, कुसुम कुमारी, भुखन राम, राजेन्द्र महतो समेत अन्य उपस्थित थे।

CRPF collects 40 units blood at camp

LATEHAR: The Central Reserve Police Force personnel organised a blood donation camp at the headquarters of battalion 11 in Latehar on Thursday. A total of 40 units of blood was collected during the camp.

This initiative assumes significance as the only blood bank in Latehar has been witnessing an acute blood shortage in the recent weeks. Inaugurating the camp, battalion commandant VK Tripathi said, "Donating blood can save lives. It's a very noble gesture and every healthy person should voluntarily donate blood."

Tripathi also stressed on the need of making people aware about the importance of blood donation at regular intervals.

सीआरपीएफ के जवानों ने किये ब्लड डोनेट

आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। के.रि.पु.बल की 81वीं वर्षगांठ के पूर्व कई समाजिक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे भारतवर्ष में किया जा रहा है। देश की आन्तरिक सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने में के.रि.पु.बल की अहम भूमिका रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को 60 बटालियन, के.रि.पु.बल के द्वारा चक्रधरपुर, जिला-पश्चिमी सिंहभूम में बटालियन मुख्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन सेंट्रल अस्पताल रांची (झारखण्ड) के महभाग से किया गया। विशेष तौर पर

थैलेसिमिया /सिकेल सेल एनिमिया से पीड़ित बच्चों के लिए सदर अस्पताल रांची स्थित डे केयर सेन्टर के लिए यह रक्तदान समर्पित है।

चक्रधरपुर की समाजिक संस्थाओं एवं बुद्धिजिवियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आनन्द कुमार जेराई, कमाण्डेंट 60 बटालियन ने रक्तदान के महत्व को उपस्थित अधिकारियों, कार्मिकों व चक्रधरपुर की आम जनता को बताते हुए इसका शुभारंभ किया। इस रक्तदान शिविर में आनन्द कुमार जेराई कमाण्डेंट-60 बटालियन, साधु शरण

यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, राजू डी. नायक, द्वितीय कमान अधिकारी, जियाउल हक उप कमाण्डेंट, डॉ. सत्याकी मंडल, चिकित्सा अधिकारी के साथ-साथ अधीनस्थ अधिकारी व जवानों के अलावा भागेरिया फाउन्डेशन, खिदमत फाउन्डेशन एवं चक्रधरपुर की आम जनता ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस रक्तदान शिविर में जवानों के साथ-साथ अधिकारियों ने भी रक्तदान किये। इस रक्तदान शिविर में थैलेसिमिया/सिकेल सेल एनिमिया से पीड़ित बच्चों के लिये कुल 53 युनिट रक्तदान किया गया।

कार्यशाला में सीआरपीएफ जवानों ने विभिन्न योजनाओं के बारे में जाना

रांची। जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार को विकास भवन में सीआरपीएफ जवानों के लिए कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें जवानों को ग्रामीण क्षेत्र में चल रही योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्हें मनरेगा, पीएम आवास योजना, कौशल विकास योजना, नेशनल रुरल लाइवलीहुड मिशन के बारे में बताया गया। कहा गया कि वे भी ग्रामीणों को योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्राप्त कर सकते हैं।

चक्रधरपुर में दो केन बम बरामद

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस व सीआरपीएफ 60 बटालियन को बड़ी सफलता हाथ लगी है। भाकपा माओवादियों द्वारा बंदगांव प्रखंड के बानरागाड़ा की पहाड़ियों लगाये गये पांच किलोग्राम का डायरेक्शनल बम दो केन बम, डेटोनेटर, वायर, नक्सल साहित्य एवं आंख जांच करने वाला यंत्र बरामद किया है। बताया जा रहा है कि भाकपा माओवादियों ने पुलिस जवानों को उड़ाने के लिए बानरागाड़ा की पहाड़ियों में बम लगाया था। (सं.)



शुक्रवार को दुगनी कैंप में लगे रक्तदान शिविर में उपस्थित अधिकारी व अन्य। • हिन्दुस्तान

सीआरपीएफ के शिविर में 51 यूनिट रक्त संग्रह

सरायकेला (सं)। सीआरपीएफ की 81वीं वर्षगांठ पर 196 बटालियन के दुगनी कैंप में श्री कालूराम सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से रक्तदान शिविर लगाया गया। उद्घाटन बटालियन के कमांडेंट बिरसा उरांव ने रक्तदान कर किया। संबोधित करते हुए कमांडेंट उरांव ने कहा कि रक्तदान महादान है। कहा, आज के दिन सीआरपीएफ के लाखों जवानों ने रक्तदान कर साबित किया कि वे केवल दुश्मनों से रक्षा करने में खून नहीं बहाते

हैं बल्कि नागरिकों को भी रक्त देने का महान कार्य करते हैं। शिविर में एमजीएम के डॉ ईए सोरेंग की टीम की देखरेख में वाहिनी के अधिकारियों व जवानों समेत 51 लोगों ने रक्तदान किया। मौके पर श्री कालूराम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज चौधरी, बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी पंकज सिंह, उप कमांडेंट अमित झा, सूबेदार मेजर सुरजीत सिंह व उप निरीक्षक मो. जलालुद्दीन समेत जवान मौजूद थे।

प्रभात खबर — 17.03.2020

पश्चिमी सिंहभूम. वरीय सुरक्षा सलाहकार डॉ के विजय कुमार ने किया दौरा पुलिस-सीआरपीएफ के बेहतर समन्वय से नक्सली घटनाएं कम हुईं, विकास हुआ

- घोर नक्सल प्रभावित रोवाम के नये सीआरपीएफ कैंप का निरीक्षण कर सुरक्षा देखी
- आइजी, सीआरपीएफ डीजी, डीआईजी, एसपी को नक्सलियों के खात्मे को लेकर निर्देश दिये
- नक्सल क्षेत्रों में बेहतर कार्य के लिए चाली बटालियन के जवानों का हौसला बढ़ाया

संवाददाता > चाईबासा

नक्सल प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम जिले में विकास के काफी कार्य हुए हैं. इसका परिणाम है कि नक्सली घटनाओं में कमी आयी है. वहीं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का तेजी से विकास हुआ है. उक्त बातें केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरीय सुरक्षा सलाहकार डॉक्टर के विजय कुमार ने कहीं. वे सोमवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के दौरे पर पहुंचे थे. उन्होंने चाईबासा स्थित केंद्रीय सुरक्षा बल के उपमहानिरीक्षक कार्यालय में अधिकारियों संग बैठक की.

जिले में पुलिस-प्रशासन के साथ जनता का समन्वय काफी अच्छा

डॉ कुमार ने कहा कि मैं झारखंड में दूसरी बार आया हूँ. जिले के सारंडा व पोड़ाहाट क्षेत्र में पुलिस व सीआरपीएफ ने सुरक्षा के मद्देनजर नये पिक्केट व कैंप बनाया है. यहां पुलिस-प्रशासन के साथ जनता का संपर्क व समन्वय काफी अच्छा है. यहाँ सीआरपीएफ व जिला पुलिस के बेहतर को-ऑर्डिनेशन के कारण नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में सफलता मिली है.

रोवाम में नये सीआरपीएफ कैंप का निरीक्षण किया : डॉ कुमार ने घोर नक्सल प्रभावित मनोहरपुर प्रखंड के रोवाम गांव पहुंचे. यहां दोपहर 12.20 बजे सेना के हेलीकॉप्टर से उतरे. यहां से



सीआरपीएफ उपनिरीक्षक कार्यालय में बैठक करते डॉ विजय कुमार.



रोवाम में जिले के एसपी इंद्रजीत महथा के साथ सुरक्षा सलाहकार.

क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री से की बात

श्री कुमार ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कई मुद्दों पर मैंने राज्य के मुख्यमंत्री से बात की है. इस संबंध में अभी ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन जल्द चीजें धरातल पर दिखने लगेंगी. उपायुक्त अरवा राजकमल ने डॉ के विजय कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया. बैठक में आइजी साकेत कुमार सिंह, सीआरपीएफ डीजी हनुमंत सिंह राउत, कोल्हान डीआईजी कुलदीप द्विवेदी, पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त अरवा राजकमल, पुलिस अधीक्षक इंद्रजीत महथा, सीआरपीएफ-194 बटालियन के कमांडेंट तपन शिवम, 174-बटालियन के कमांडेंट प्रेमचंद, सीआरपीएफ-60 बटालियन के कमांडेंट डी राजू नायक, सहायक पुलिस अधीक्षक अभियान प्रणव आनंद झा, एसडीपीओ सदर अमर कुमार पांडेय, चक्रधरपुर एसडीपीओ नाथु सिंह मीणा आदि उपस्थित थे.



चाईबासा सीआरपीएफ उपनिरीक्षक कार्यालय पहुंचते डॉ के विजय.

सीधे रोवाम गांव में सीआरपीएफ-197 बटालियन के बने नये कैंप में पहुंचे. डॉ कुमार ने 197-बटालियन के चाली बटालियन से मिलकर उनका हालचाल

जाना. उन्होंने नक्सल क्षेत्रों में बेहतर कार्य के लिए चाली बटालियन के जवानों का हौसला बढ़ाया. इसके बाद आइजी ऑपरेशन साकेत कुमार,



रोवाम गांव में सेना के हेलीकॉप्टर से पहुंचे डॉ के विजय कुमार.

रोवाम जंगल को चारों ओर सुरक्षा में तैनात थे जवान

डॉ कुमार के दौरे को लेकर रोवाम गांव के जंगल क्षेत्र को सीआरपीएफ जवानों ने चारों ओर से सुरक्षा घेरे में ले रखा गया था. दोपहर करीब दो बजे रोवाम गांव से सेना के हेलीकॉप्टर से उन्होंने उड़ान भरी. यहां से सीधे जिला मुख्यालय स्थित चाईबासा पहुंचे. यहां पुराना चाईबासा स्थित हवाई अड्डा पर 2.15 बजे उतरे. डॉ कुमार का काफिला सीधे चाईबासा सीआरपीएफ जिला मुख्यालय पहुंचा. यहां पुलिस व सीआरपीएफ की ओर से चलाये जा रहे संयुक्त एंटी नक्सल ऑपरेशन से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक की.

सीआरपीएफ डीजी हनुमंत सिंह रावत व 197-बटालियन के कमांडेंट परम शिवम के साथ बैठक कर सुरक्षा मानकों व अन्य मुद्दों पर विस्तार से जानकारी ली. नक्सलियों के खात्मे को लेकर अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिये.

उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र की बच्चियों को मिला सिलाई का प्रशिक्षण



उपहार देते अतिथि.

प्रतिनिधि ▶ सतगावां

प्रखंड के उग्रवाद प्रभावित पंचायत राजावर में शनिवार को हजारीबाग 22वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा पुलिसिंग सिविक एक्शन के तहत आयोजित निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण का समापन हुआ. उक्त कार्यक्रम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 22वीं वाहिनी जी/22 कंपनी कमांडर नरेश कुमार व एफ/22 कंपनी कमांडर सतपाल मौजूद थे. मौके पर नरेश कुमार ने कहा कि सभी वर्ग की बच्चियां इसका फायदा उठाया. युवतियों को निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया गया. स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त किया गया है. पिछले तीन वर्ष से इस प्रकार का प्रशिक्षण चलाया जा रहा है. कमांडर सतपाल ने कहा कि सीआरपीएफ द्वारा पिछले कई सालों से सिलाई का प्रशिक्षण कराया जा रहा है. नक्सल प्रभावित इलाकों में सीआरपीएफ न केवल सुरक्षा की

भावना पैदा कर रही है, बल्कि शिक्षित युवा युवतियों को प्रशिक्षण करा कर उन्हें जागरूक कर रही है. मौके पर मुखिया परमेश्वर शर्मा कहा कि आज जिस घरों में बिजली व टीवी नहीं है और उन घरवालों को देश से जुड़ने के लिए रेडियो का वितरण किया गया है. इस अवसर पर एसआइ जयनंदन, एसआइ सुरेश सिंह, विवेकानंद शांडिल्य, धर्मेन्द्र कुमार, समाजसेवी सदानंद सिंह, पूजा कुमारी, अनीता कुमारी, मनीषा कुमारी, निर्मला देवी, आरती कुमारी, निधि कुमारी, दुलारी कुमारी, चंचला कुमारी, सुषमा कुमारी, खुशबू कुमारी, राखी कुमारी, नीलम कुमारी, सीमा कुमारी, माधुरी कुमारी, काजल कुमारी, अंजू कुमारी, मल्लिका कुमारी, पिकी कुमारी, कुसुम कुमारी, आरती कुमारी, ममता कुमारी, अंसारी प्रवीण, सना प्रवीण के अलावा प्रशिक्षक के रूप में मुशरत खातून, रिंकी कुमारी, गुड़िया देवी आदि मौजूद थे.

कराईकेला के जंगल में छापा, चार धराये



चाईबासा. जिला पुलिस व सीआरपीएफ 60 बटालियन की टीम ने गुरुवार को कराईकेला के जंगल में माओवादियों व पीएलएफआइ के खिलाफ सर्च अभियान चलाया. इस दौरान नक्सलियों के समर्थन करने के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ की जा रही है. वहीं, दूसरी और ग्रामीणों ने बताया कि जिन्हें हिरासत में लिया गया है, वे निर्दोष हैं. अभियान क्षेत्र के कुरजुली, इन्दुरुवां, तेंदा, जोंकों, बंडरागड़ा सहित अन्य गांवों में चलाया गया. गौरतलब है कि यह क्षेत्र नक्सलियों के लिए सेफ माना जाता है. यहां उनका आना-जाना लगा रहता है. एसपी इंद्रजीत महथा के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया. जरजड़ा में सड़क किनारे से सिलेंडर बम बरामद किया था.



प्रभात खबर — 20.03.2020

सीआरपीएफ ने 200 फुटबॉल और जर्सी बांटे



घाटशिला. घाटशिला थानांतर्गत कालचिती पंचायत के बांधडीह सीआरपीएफ-193 बटालियन के इंस्पेक्टर एमडी साहेब अली की देखरेख में गुरुवार को सोशल पुलिसिंग अभियान के तहत गरीबों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया. उन्होंने कहा कि 200 फुटबॉल टीमों के बीच जर्सी, फुटबॉल और बूट का वितरण किया गया. 65 गरीबों के बीच कंबल, 8 फिल्टर आरओ, क्रिकेट बॉल, क्रिकेट किट और सब्जी की फसल लगाने के लिए कई तरह के बीज का वितरण किया गया. मौके पर सीआरपीएफ के एसआइ के नारायण, गुमनाम सिंह राउत, सतीश कुमार आदि मौजूद थे.

हिन्दुस्तान — 29.03.2020

सारंडा व पोड़ाहाट के बीहड़ों में नक्सलियों के साथ लोहा लेनेवाली पुलिस व सीआरपीएफ मोहल्लों में घूम-घूमकर बांट रही है राशन के पैकेट जिले में पुलिस व सीआरपीएफ के जवान हरसंभव कर रहे हैं सहयोग

चाईबासा | संवाददाता

चाईबासा में पुलिस और सीआरपीएफ कोरोना लोगों की सुरक्षा के साथ साथ उनको हर तरह की सहायता पहुंचाने का काम कर रही है। इस कार्य में एसआर रूंगटा ग्रुप के अलावे विभिन्न सामाजिक संगठन इस कार्य में पुलिस एवं सीआरपीएफ को सहयोग कर रहे हैं।

शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों नीमडीह मछुआ टोली, महादेव कालोनी, तुरी टोला, हिन्द चौक में लोगों के बीच सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमर

कुमार पांडे के द्वारा चाईबासा पुलिस और जिला प्रशासन की ओर तैयार भोजन का पैकेट बांटा गया। इस कार्य में मारवाड़ी युवा मंच, गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी, पश्चिमी सिंहभूम चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज ने उनका सहयोग किया। इस अवसर पर सदर थाना प्रभारी निरंजन तिवारी, मुफस्सिल थाना प्रभारी आशुतोष कुमार भी उपस्थित थे। इधर, सारंडा और पोड़ाहाट के बीहड़ों में नक्सलियों के साथ लोहा लेने वाली सीआरपीएफ जवानों का एक अलग चेहरा दिखा। गाडियों में राशन का पैकेट लाद कर उन



खद्यान्न बांटते सीआरपीएफ की 174 बटालियन के कमांडेंट डॉ. प्रेमचंद। • हिन्दुस्तान
मुहल्लों में घूम रहे थे, जहां के लोग पड गए हैं। वैसे लोग भूखे ना रहे, गरीब हैं, लॉकडाउन के कारण घरों इसलिए राशन बांटने निकले थे। में बंद हैं और रोजी-रोटी के लाले चाईबासा सीआरपीएफ 174



तैयार खाना बांटते सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमर कुमार पांडेय। • हिन्दुस्तान
बटालियन ने कई गरीब बस्तियों में जाकर राशन का वितरण किया। बटालियन के अधिकारियों और जवानों ने करीब 1 हजार परिवारों के बीच राशन का पैकेट बांटा। कमांडेंट डॉ. प्रेमचंद और उनके

दैनिक भास्कर — 31.03.2020

सीआरपीएफ ने गोबरदाहा, नानो व कठाडाड़ी में बांटी खाद्य सामग्री

लॉकडाउन में ग्रामीणों को खाद्य सामग्री की दिक्कत ना हो, कोई भूखा ना रहे, यही सीआरपीएफ का मिशन

भास्कर न्यूज़ | चरही

नोबेल कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन के कारण गरीब, जरूरतमंद, मजदूर व असहाय लोगों के बीच चुरचू सीआरपीएफ 22 बटालियन ने कमांडेंट राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर सोमवार को गोबरदाहा, नानो और कठाडाड़ी के ग्रामीणों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। चुरचू सीआरपीएफ 22 बटालियन के सहायक कमांडेंट मनोज सिंह के द्वारा चुरचू थाना क्षेत्र के नानो व कठाडाड़ी चिमनी भट्टा के 70 मजदूरों के अलावा आदिवासी बहुल गांव गोबरदाहा गांव के 50 ग्रामीणों के बीच नागरिक सहायता कार्यक्रम के तहत चावल, दाल, नमक, चूड़ा, साबुन आदि का वितरण किया गया। साथ ही कोरोना वायरस से बचाव के उपाय बताए गए। ग्रामीणों को इससे बचाव के लिए सभी को

सैनटाइजर किया गया व साथ ही मास्क का वितरण किया गया। इस मौके पर सहायक सीआरपीएफ कमांडेंट मनोज सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए सभी को अपने घरों में रहकर लॉकडाउन का पालन करना होगा। घर में रह कर लोग अपने भी सुरक्षित रहे और दूसरों को भी सुरक्षित रहने दे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है ताकि कोई भी गरीब भूखा ना रहे। इस मौके पर मुख्य रूप से सीआरपीएफ सहायक कमांडेंट मनोज सिंह, जिला परिषद सदस्या अग्नेशिया सांडी पूर्ति, बीडीओ सह सीओ नीतू सिंह, थाना प्रभारी तरुण बाखला, सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर केके यादव, एसआई आरके पती, एस एन परिहार, छोटेलाल, सिद्धेश्वर पंडित बलविंदर, एसआई कृष्ण सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।



खाद्यान्न वितरित करते सीआरपीएफ कमांडेंट ।